(क) क्या सरकार ने विश्वविद्यालय स्तर पर हिन्दी माध्यम से विज्ञान की पढ़ाई की कोई योजना बनाई है ;

(ख) क्या इस कार्य के लिये कुछ विश्वविद्यालयों में विशेष विभाग खोलने का विचार है ; और

(ग) योजना की रूप रेखा क्या है तथा यह कब से लागू की जायेगी ?

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली) (क) विश्वविद्यालय स्तर पर हिन्दी के माध्यम से विज्ञान पढ़ाने जैसी कोई योजना भारत सरकार ने नहीं बनाई है । लेकिन सरकार ने हिन्दी तथा अन्य प्रादेशिक भाषाओं के साहित्य के निर्माण के लिये एक कार्यक्रम शुरू किया है, ताकि उनका साहित्य, विशेषतया विज्ञान और टेकनोलोजी के क्षेत्रों में समृद्ध हो सके और अंग्रेजी से हिन्दी तथा प्रादेशिक भाषाओं में शिक्षण के माध्यम के परिवर्तन में भी सुविधा हो सके ।

(ख) इस समय, हिन्दी में साहित्य निर्माण के लिये कुछ विश्वविद्यालयों में विशेषः विभाग खोले जा रहे हैं ।

(ग) योजना की प्रमुख विशेषता यह है कि चुने हुए विश्वविद्यालयों में पुस्तक निर्माण के विभाग स्थापित किये जायेंगे, जहां पर स्नातक और उत्तर स्नातक स्तर के उपयोग के लिए मूल पुस्तकें लिखने और अंग्रेजी की प्रामाणिक पुस्तकों के अनुवाद के लिये पूर्ण कालिक स्टाफ रखा जायगा । इसका सारा खर्च भारत सरकार उठायेगी । इसकी एक अनिवार्य शर्त यह होगी कि पुस्तकें भारत-सरकार की भाषा-नीति के अनुसार तैयार की जायेंगी और इनमें वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा अनुमोदित शब्दावली का ही प्रयोग किया जायेगा ।

दिल्ली और बनारस विश्वविद्यालयों में विभाग स्थापित किये जा चुके हैं । अन्य दो या तीन विश्वविद्यालयों में ऐसे ही विभाग स्थापित करने के लिये बात चीत चल रही है ।

Indian Engineers Service Abroad

*348. Shri Surendra Pal Singh:
Shri Yashpal Singh:
Shri Warior:
Shri Vasudevan Nair:
Shri M. N. Swamy:
Shri S. N. Chaturvedi:
Shri P. C. Borooah:
Dr. L. M. Singhvi:
Shri Sham Lal Saraf:
Shri P. R. Chakraverti:
Shri Sidheshwar Prasad:
Shri Prakash Vir Shastri:
Shri Bibhuti Mishra:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri P. K. Deo:
Shri Kolla Venkaiah:

Will the Minister of **Scientific Research and Cultural Affairs** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that during his recent visit to Europe he made a study of the problem of ever increasing tendency amongst Indian students of science and engineering in foreign countries to seek employment abroad rather than return to India after the completion of their studies; and

(b) if so, his main findings and the steps he proposes to take to solve this problem of migration of scientists and technicians?

The Minister of Scientific Research and Cultural Affairs (Shri Hamayun Kabir): (a) and (b). My visit to Europe was for certain other purposes but I took advantage of the occasion to study the Question of migration of European Scientists to U.S.A. In a Press Conference held on the 12th June, these questions were raised and I pointed out that the problem of migration of Indian scientists was not yet serious. I also mentioned some of the steps taken to assist scientists abroad to return to India.